

STATE LEVEL TRAINING WORKSHOP FOR GANGA PRAHARIS ON "BIODIVERSITY MONITORING AND RESCUE AND REHABILITATION TECHNIQUES OF AQUATIC SPECIES OF GANGA RIVER" ON 22nd and 23rd JUNE, 2019 AT BHAGALPUR, BIHAR

DETAILED EVENT

A state level two days training workshop on 'Biodiversity Monitoring and rescue and rehabilitation techniques of Aquatic Species of Ganga River' was organized for the Ganga Praharis of Bihar on 22nd and 23rd June, 2019, at Aranya Bhawan, Sundarvan, Bhagalpur. The aim of the workshop was to develop the capacity of the Ganga Praharis about the biodiversity of Ganga River, their conservation, and trained them on rescue and rehabilitation techniques. Approximately 50 *Ganga Praharis* from Munger, Kahalgan, Naugachia, along with 10 students of T.M.B.U College, Bhagalpur participated in the workshop.

The workshop comprised of two technical sessions on biodiversity of Ganga aqualife and rescue & rehabilitation techniques of aquatic macrofauna and a field visit to the Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary. The technical session highlights the overview about the biological characteristics of Dolphins, Otters, Crocodilians, Turtles, and Birds, and also highlighted the principles of rescue & rehabilitation of aquatic fauna. Practical session comprised of demonstration of techniques for handling and restraint of aquatic macrofauna. A team building exercise was conducted to highlight the importance of coordination between Ganga Praharis, Forest Department and the community for better biodiversity conservation and Ganga rejuvenation process.

PROGRAMME SCHEDULE

23 rd June, 2019	Technical session I: Ecological Monitoring	Resource persons
0830 - 0900	Registration	Ms. Monika Mehrau/ Ms. Camellia Biswas
0900 - 0925	Pre-Training Questionnaire	Mr. Ratish Singh and Mr. Keshav Kumar
0925 - 0945	Welcome address	Ms. Monika Mehralu
0945 - 1000	Project Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation: An overview	Dr. Sangeeta Angom
1000 - 1030	Теа	
1030 - 1100	Overview of river ecology and function: Case study: Ganga River	Dr. Niladri Dasgupta
1100 - 1130	Aquatic Mammals: Ecological importance, identification & monitoring	Mr. Goura Chandra Das
1130 - 1200	Waterbirds: Ecological importance, identification & monitoring	Dr. Niladri Dasgupta
1200 - 1230	Turtles and crocodiles: Ecological importance, identification & monitoring	Dr. Gowri Mallapur
1230 – 1300	Riparian and aquatic vegetation: Ecological importance and identification	Ms. Sayantika Banerjee/Ms. Monika Mehralu
1300 - 1330	Biological sample collection: role of first responder	Dr. Sangeeta Angom
1330 - 1430	Lunch	
	Technical session II: Participatory Management	
1430 - 1530	Community Participation in Biodiversity and Ganga Conservation	Dr. Sangeeta Angom, Ms. Monika Mehralu
1530 - 1630	Interactive session	Dr. Sangeeta Angom, Ms. Monika Mehralu & Ms. Camellia Biswas
1630 - 1700	Post Training Questionnaire and Conclusion	Mr. Ratish Singh and Mr. Keshav Kumar

PHOTO GALLERY



(A) Inaugural Session of the workshop



(B) Biodiversity Monitoring of aquatic species of Ganga River



(C) Interaction with Ganga Praharis about basic identification of Turtle species of Ganga



(D) Field visit at Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary, Bhagalpur



(E) Concluding remarks by Mr. Sudhakar, DFO, Bhagalpur

MEDIA COVERAGE

वन्य जीव संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



धागलपुर। चार्तात कन तीन संग्यान, देशसङ्ग के केल क्षेत्र प्रकारण, यम एवं जनवानु चीरवर्तन विभागत के कारी क्षेत्रीय प्रीतका विशेष मा विशेषा समापन हो गया। प्रमय सब में बन्त विश्वापूर्वक कवार के की- वर्षके

रिकारी में की वर्त मारकारी प्राप्ताती दी। रेक्ट अवीज के विशेशकों को जन जीव के जानकारियों में भी अनेक पुरस्के प्रदार की गई। सुवीत ताल ने तंत्र प्राप्ते के चरित्रतंत्रण और अब एक प्राप्ती कवान (रेपन्) निर्माण्या को चीती . के बतनी के बते में बताया। गंग प्रतिशी मालापुर ने नंच इसीची के बीच एकः भी धालापुर के डीएमओ एस मुखबर चाम इनडोर लेंच अनोतीमा बता और मंदर नंबर बाम के आर्थिद विश्व नवर्शाक तेर ए ए परप्राव कि के राजे वे रिवरीन प्रीतान त्रिकर वे उन्हें एक शर होकर टीम अर्थ कर थे। अन लेवे के लिए प्रथम-पर दिया गया। उनके बाद उन्होंने एक बड़ा बन्हान - उनके बाद डीएकओ मुखका ने विकारिय के बाजन से प्रारंतिक की पर - विकार से अने दीय के बीक सराम वो सुष्टि चित्र चेंद्र किया। धनका सक्ते। फिर सीवें को रिर्वापन प्राथतियों । आगर करते पूर्य एकर्याची के अर्वावद

और उनके क्षाप्रक के वरिक्र करते। "ही जिन्न ने बता कि रही के एक प्रतिन्हें sk mek af follows it are med Pade अप से बई पुत्र ज्वाद पीएक्स ज मां होगी। वने के देश refrest di in file il nere fe 18 में 21 जुन तथ यन विश्वत के जीववर्ताओं और कर्मचारियों के लिए stewn fefor wer alt 22 4 23 कृत को तथ प्रतीनों एवं बीजीपीएस क्षों बाल के सरावें के लिए का selfen fam ver serien sit प्रपत बचरे में हज क्या हैया देखा पुरार, प्रप्राप्त पुणार, ये आवार, राजवी ये असूना, बेरेन, रॉबन, आदि ने सामी जुनिसा निपाई।

अब तसकर पताना जारच और जन्म-कन्न चनान जारच।



मंगा प्रहरियों को दिया गया प्रशिक्षण

। मार्ट लिंद पर्यकार, यर एवं जलवन् परिवर्डर विधान के विकार में डोएफाओं एक मुख्यात की अन्यक्तत में गंध प्रतरियों एवं डाल ही में चीतत की मीडोएफ इसी काम के अराओं तिल् प्रतिक्षण मेरियल अरोबीला विवाद गया। द्वीरपाने ने पण प्रतिनों को जैस विविधाद सरक्षण के ताल जीव अनुन्हें के बचाव के मैद्धनिक तरीकों को ध्यानपूर्वक प्रीचने के लिए कहा। प्रशासि पन्य प्रीव

बंदबन देशहरू है जोई देश के शिक्षकों ने बारे बारे हैं जनकार हैं। देश वै परिवास पेक्सिक हो बंदित अंदर प्रोतेश्वर परिवास तरें वर्ष दे करा, परिवास पैक्सिक हो निवास देवा परिवास पैक्सिक हो निवास देवा पुर, रेजम् विशेषा की मालसूत ने स्कूल करिया के विश्वकों की बीति एक एक महत्त्वपूर्ण और व्यक्ति करते की सारकारी हो। वो विलाही ने बाहा कि हम यान के बार तरपर राजे चीजें का विकास डोता है पर जीव फलुओं के बाद का बात नहीं है। इसलिये जैव विकास का संस्था व कराय ही एक बात निद्धन है। साथ के बाद दूसरे सत में तेरे मल्लुत ने बजुध, ऑटर्स के विभन प्रजीवों को चरवाने और बचन के भी में बचका की वी किन्छों ने बीटवें के बोर में पूर्वप और कैमनेवाने सामानूर्ण कामती थे और बताब कि में कही पीनों किया प्रधान धारों पा जीवन कावन शक्ते के लिए Feele serepey \$1.

door on you fight DESIGNATION OF THE PERSONS IN follower conshorter per ann

and no offer it man a glic big on a filt on or a and find profes, and the or with within, severe of ones as a filter, severe of ones as a filter, severe of the profession of the time in the profession of the one in the profession of the one